

KUMARI NIVEDITA RAGHUNATH BHIDE

Kumari Nivedita Raghunath Bhide is Vice President of Vivekananda Rock Memorial and Vivekananda Kendra, Kanyakumari - a Spiritually-Oriented Service Mission that has its service activities in 830 places in 24 States and 2 Union Territories of India.

2. Kumari Bhide was born on July 07, 1958. She secured a rank in her Bachelor of Science degree from Nagpur University in 1977. With an intense desire to serve the nation, she joined the Vivekananda Kendra as a Jeevanvrati (Dedicated Life-Worker) at the tender age of 19 years. While thus working and to better discharge her responsibilities, she completed her Master's in History from Annamalai University, Chidambaram, and Bachelor of Education from Nagpur University.

3. Kumari Bhide started her work in the rural areas of Tamilnadu mainly for development of children and women. She guided Vivekananda Kendra Vidyalaya - a school for rural children at Kanyakumari. Later she was All India Secretary, Education, coordinating the educational activities of Vivekananda Kendra in the North-East, the Andamans and in other parts of the country serving tribal and rural children. Kumari Bhide co-ordinated the work of the Vivekananda Kendra Institute of Culture, Guwahati, through which the common connecting principles of tribal communities are identified, focused upon in order to promote inter-community harmony and facilitate the sustainable process of 'Development Through Culture'.

4. Kumari Bhide is a powerful exponent of Indian Culture, Swami Vivekananda and his message, empowerment of women rooted in the Indian ethos, the vision of Oneness, Education and other topics related to the Indian Renaissance. An original thinker, she has authored over 15 books. She looks after the training of the Jeevanvrati Karyakartas of Vivekananda Kendra.

5. Kumari Bhide was Member, Executive Council, Association of Matriculation Schools, Tamilnadu, from 1985 to 1994; Member of the General Body, National Council for Teacher Education from 1999 to 2005; Founder Member, the International Forum for India's Heritage, (IFIH), and has recently become the Governing Board Member of Rajya Ananda Samsthan of the Government of Madhya Pradesh. She was conferred the Vandaneeya Saraswatitai Apte award by the Bharatiya Stree-Jeevan Vikas Parishad, Thane, on 20 November 2005 for sustained work in the society.



कुमारी निवेदिता रघुनाथ भिडे

कुमारी निवेदिता रघुनाथ भिडे विवेकानन्द रॉक मेमोरियल एवं विवेकानंद केन्द्र, कन्याकुमारी-आध्यात्म सेवा मिशन की उपाध्यक्ष हैं जिसकी सेवा गतिविधियां भारत के 24 राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों में 830 स्थानों पर चल रही है।

2. आपका जन्म 07 जुलाई 1958 को हुआ। आपने 1977 में नागपुर विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। राष्ट्र की सेवा करने की उत्कृष्ट इच्छा से आप 19 वर्ष की अल्पायु में ही जीवनव्रती (समर्पित आजीवन-कार्यकर्ता) के रूप में विवेकानन्द केन्द्र में आ गईं थीं। इस प्रकार, यहां काम करते हुए तथा अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर तरीके से निर्वहन करते हुए आपने अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, चिदम्बरम से इतिहास में स्नातकोत्तर की डिग्री तथा नागपुर विश्वविद्यालय से बेचलर ऑफ एड्यूकेशन की डिग्री प्राप्त की।

3. आपने मुख्यत: बच्चों और महिलाओं के विकास के लिए तमिलनाडु के ग्रामीण क्षेत्रों में अपना कार्य शुरू किया। आपने विवेकानंद केन्द्र विद्यालय कन्याकुमारी में ग्रामीण बच्चों के स्कूल का मार्गदर्शन किया। तत्पश्चात आप ऑल इंडिया सेक्रेटरी, एडयूकेशन बनी तथा आदिवासी और ग्रामीण बच्चों की सेवा करते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र, अंडमान तथा देश के अन्य भागों में विवेकानन्द केन्द्र की शिक्षण गतिविधियों का समन्वय किया। आपने सदभाव को बढ़ावा देने और संस्कृति के माध्यम से विकास की स्थायी प्रक्रिया को सुकर बनाने के उद्देश्य से विवेकानंद केन्द्र संस्कृति संस्थान, गुवाहाटी के कार्य का समन्वय किया जिसके माध्मय से आदिवासी समुदायों के साझा कनेक्टिंग सिद्धांतों की पहचान की और उन पर ध्यान केन्द्रित किया।

4. आप भारतीय संस्कृति, स्वामी विवेकानंद और उनके संदेश, भारतीय मूल्यों में महिलाओं की अधिकारिता, एकता के सिद्धांत, शिक्षा तथा भारत के पुनरूत्थान से संबंधित अन्य विषयों की प्रबल समर्थक हैं। एक मूल विचारक के रुप में आपने 15 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। आप विवेकानन्द केन्द्र के जीवनव्रती कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्य की देखभाल करती हैं।

5. आप 1985 से 1994 तक कार्यकारी परिषद, एसोसिएशन ऑफ मेट्रीक्यूलेशन स्कूल्स, तमिलनाडु की सदस्य; 1999 से 2005 तक राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद की जनरल बाडी की सदस्य; इन्टरनेशनल फॉरम फॉर इंडियाज हेरिटेज (आईएफआईएच) की संस्थापक सदस्य रही हैं और हाल ही में आप मध्य प्रदेश सरकार के राज्य आनन्द संस्थान के शासी बोर्ड की सदस्य बनीं। समाज के लिए निरंतर रूप से कार्य करने के लिए आपको 20 नवम्बर, 2005 को भारतीय स्त्री-जीवन विकास परिषद, थाणे द्वारा 'वंदनीया सरस्वतीताई आप्टे' पुरस्कार प्रदान किया गया।